हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जन् समस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी करेगी आज धरना प्रदर्शन

भुआबिछिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया द्वारा क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर 18 जुलाई 2025 दिन शुक्रवार को धरना प्रदर्शन कर विरोध प्रदर्शन करेगी जिसमे स्मार्ट मीटर उगल रहे मनमाना बिल, खाद वितरण प्रणाली से किसानों को नहीं मिल पा रही खाद, अत्यधिक वारिश से किसानों के खेत पानी से भरे किसानों को हुआ नुकसान का सर्वे कराया जाए, और नगर परिषद के कर्मचारियों को 4/5 माहों से नहीं मिला वेतन जिससे उन्हें हो रही आर्थिक परेशानी आदि मुद्दों को लेकर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक नारायण सिंह पट्टा की नेतृत्व में बिजली ऑफिस में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी ने धरना प्रदर्शन में सभी को भाग लेने की अपील की है।

खनिज गिट्टी के ओव्हरलोड परिवहन में संलिप्त दो हाईवा वाहन पर कार्यवाही

मण्डला। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर मण्डला के निर्देशानुसार खनिज विभाग मण्डला द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भण्डारण के विरूद्ध सतत रूप से कार्यवाहियाँ की जा रही है। इसी तारतम्य में प्राप्त शिकायतों के आधार पर बुधवार को ग्राम बम्हनी में खनिज गिट्टी के ओव्हर लोड परिवहन में संलिप्त दो वाहन हाईवा क्रमांक एमपी 28 जेडडी 9587, एमपी 22 जेडएफ 6187 को खनिज विभाग द्वारा जप्त किया गया। उक्त संलिप्त वाहन को जप्त कर शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना बम्हनी की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त वाहनों के विरूद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय प्रेषित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश विशेष सहयोगी दस्ता भर्ती 18 जुलाई से प्रारंभ

मण्डला। मध्यप्रदेश विशेष सहयोगी दस्ता भर्ती 2025 हेतु नक्सल प्रभावित जिला मंडला के चिन्हांकित नक्सल प्रभावित विकासखण्ड के नक्सल प्रभावित ग्रामों के मूल निवासियों के लिए विशेष सहयोगी दस्ता भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। संबंधित क्षेत्रों के ऐसे युवा जो पिछले 10 वर्षों से लगातार इन्हीं जिलों में निवासरत हैं उनके लिए 102 पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। आवेदन 18 जुलाई से 7 अगस्त 2025 तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

15 दिन बाद भी विद्यालय के ऊपर से नहीं हटाया गया वृक्ष

विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही

*** विद्यालय की छत पर गिरा था विशाल वृक्ष।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले की शिक्षा व्यवस्था और उसके जिम्मेदार विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति कितने गंभीर हैं इसको इस घटनाक्रम से समझा जा सकता है कि लगभग 15 दिन पूर्व विद्यालय के एक कमरे के ऊपर विशालकाय पेड़ गिर जाता है और आज 15 दिन बाद भी उस पेड़ को विद्यालय की छत से हटाया नहीं जा सका है। जैसे-तैसे विद्युत लाईन को व्यवस्थित करने का प्रयास तो किया गया है लेकिन पेड़ का मोटा तना आज भी विद्यालय के ऊपर ही टिका हुआ है यदि कल को कोई और दुर्घटना होती है और इस दुर्घटना में यदि किसी विद्यार्थी को किसी तरह की क्षति पहुंचती है तो फिर उसका जिम्मेदार कौन होगा। नगरपालिका प्रशासन संसाधनों कमी का रोना रो रहा है लेकिन आज के इस तकनीकि और मशीनरी युग में एक वृक्ष को विद्यालय की छत से 15 दिन बाद भी न हटा पाना निश्चित रूप से व्यवस्थाओं को शर्मसार करने की बात है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 02, मण्डला की छत पर 3 जुलाई से एक विशालकाय वृक्ष जड़ सहित लटका हुआ है, जो पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से उखड़कर विद्यालय भवन पर गिर गया था। यह स्थिति विद्यालय में अध्ययनरत सैकड़ों छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है।

विद्यालय प्रबंधन द्वारा सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग मण्डला और नगर पालिका को तुरंत इस विषय में कई बार पत्राचार एवं मौखिक रूप से जानकारी दी गई, लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। निरंतर उपेक्षा के चलते जब विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस अधीक्षक मण्डला से संपर्क किया, तो उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए त्वरित संज्ञान लिया और राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) की टीम को राहत कार्य के लिए मौके पर भेजा।

एसपी मण्डला की तत्परता से एसडीईआरएफ टीम ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर दिया, जिससे संभावित दुर्घटना को समय रहते टाल दिया गया। विद्यालय प्रबंधन ने एसपी मण्डला का आभार व्यक्त किया है। हालांकि, अभी भी वृक्ष की कई भारी शाखाएं विद्यालय भवन की छत पर लटकी हुई हैं, जो किसी भी समय गिर सकती हैं। इन कक्षाओं में पढ़ाई जारी रहने के कारण जानमाल को खतरा बना हुआ है।

राहत कार्य के दौरान जब नगर पालिका अधिकारियों को पुनः सूचित किया गया, तो उन्होंने कार्यभार अधिक होने और संसाधनों की कमी का हवाला देकर मामले को नजरअंदाज कर दिया। यह रवैया नगर पालिका की कार्यशैली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है, क्योंकि यदि प्रशासन चाह ले तो तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा सकती थी।

विद्यालय प्रबंधन की मांग है कि शेष वृक्ष को अविलंब हटाया जाए, भवन की संरचनात्मक स्थिति की जांच कराई जाए, और छात्रों व स्टाफ की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही, भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचाव के लिए प्रशासन से समय पर तत्परता की अपेक्षा की गई है।

यदि एसपी मण्डला द्वारा त्वरित कार्रवाई न की गई होती, तो यह घटना एक बड़े हादसे में बदल सकती थी। वहीं, नगरपालिका की लापरवाही ने एक बार फिर सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी कब तक जागते हैं और इस गंभीर स्थिति को कितनी तत्परता से संभालते हैं।

इनका कहना है :-

मेरे संज्ञान में यह सूचना आई है कि अत्यधिक वर्षा के कारण नगर में अनेक स्थानों पर पेड़ गिर गए हैं। इन पेड़ों को हटाने हेतु संबंधित दल कार्य कर रहा है, किंतु बड़े पेड़ों को हटाने के लिए संसाधनों की कमी महसूस की जा रही है। इसके बावजूद, मैं एसडीईआरएफ टीम से समन्वय स्थापित कर रहा हूँ तथा नगरपालिका की टीम को भी भेजकर शीघ्र ही पेड़ों को हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

-गजानन नाफड़े, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मण्डला

मंत्री ने शासकीय कृषि प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी में की धान की रोपाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती उइके का अलग अंदाज गुरुवार को देखने मिला जब वे नैनपुर प्रवास के बाद चिराईडोंगरी पहुंची। यहाँ शासकीय कृषि प्रक्षेत्र चिरईडोंगरी में खेतिहर मज़दूरों द्वारा धान के रोपे लगाए जा रहे थे। मंत्री श्रीमती उइके भी उनके बीच जाकर धान की रोपाई करने लगी। किसान महिलाओं ने उन्हें अपने बीच पाकर उत्साह से पाटा गीत भी गाया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि इस प्रदेश का हर एक किसान अपनी मिट्टी, खेत और फसल से अत्यधिक लगाव रखता है। उन्होंने प्रार्थना की कि हम सभी किसानों की फसलें खूब लहलहाएं धन-धान्य से परिपूर्ण रहें। उन्होंने कहा कि कृषि हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। हम चाहे किसी भी पद पर क्यों ना पहुँच जायें ? अपने इस मूल काम को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। यह सीख हमें आने वाली पीढ़ी को देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समय के साथ खेती की तकनीकी में भी बदलाव आया है। पहले हम पारंपरिक तरीके से धान की रोपाई करते थे अब इसका स्थान पैडी ट्रांसप्लांटर ने ले लिया है। यह खेती का आसान और किफायती तरीक़ा है। किसान भाइयों को अपनी खेती में इनका इस्तेमाल करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पैडी ट्रान्सप्लांटर मशीन चलाकर धान की रोपाई की। इसके उपरांत उन्होंने जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट के साथ हाथ से भी धान की रोपाई की।

अमानक पाए जाने पर उर्वरक अमोनियम फॉसफेट सल्फेट प्रतिबंधित

मण्डला। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंडला ने बताया कि उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के तहत उर्वरक अमोनियम फॉसफेट सल्फेट, विक्रेता म.प्र. राज्य को-ऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन गोडाउन बिछिया के नमूने गुणवत्ता परीक्षण में अमानक पाए जाने के फलस्वरूप संबंधित लॉट व बैच नंबर एमएआर-25 के उर्वरकों का जिले में क्रय-विक्रय, भंडारण एवं परिवहन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है।

सड़क एवं पुलिया बहने से लोगों का आना-जाना बंद

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमदरा से कुई वन ग्राम में विगत माह में सड़क निर्माण जनमन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क अमदरा से कुई वन ग्राम तक बनाई गई थी विगत दिनों अतिवृष्टि पानी से सड़क एवं पुलिया बह गई जिससे लोगों को आने जाने का मार्ग बंद हो गया घटिया निर्माण कार्य की पोल खोलती हुई यह तस्वीर यह बताती है कि सड़क एवं पुलियां किस तरह घटिया सामग्री का उपयोग कर बनाई गई थी जिसके कारण कुछ ही माह मैं पानी से सड़क एवं पुलिया बह जाने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ज्ञात हो गई की लगातार कई सालों से मांग करने पर बड़ी मुश्किल से कुईवनग्रामों में सड़क निर्माण कार्य चालू हुआ लोगों में खुशी थी परंतु क्या पता की कुछ ही माहो में पुलिया और सड़क अपना राज खोल जाएगी इस तरह की ग्रामीण क्षेत्र में घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है जिससे लोगों में परेशानी हो रही है अतः जिला कलेक्टर से निवेदन है कि शीघ्र ही कार्यवाही की जावे।

टैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत

भुआबिछिया। बिछिया थाना अंतर्गत जतीपुर भारदा निवासी भूतपूर्व पंचायत पंच तुलसी राम केराम की टैक्टर पलटने से मौत हो गई, बताया जाता है कि आज दिन के 3 बजे पिता ओर नाती दोनों टैक्टर से खेत का रोपाई का कार्य करने जा रहे थे जतीपुर-भारदा बीच पुलिया में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया और पुलिया के नीचे गिर गया, जिसे जे सी बी मशीन से निकाला गया, टैक्टर पलटने से एक व्यक्ति तुलसी राम केराम की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वही उसके नाती जो टैक्टर चला रहा था कूद कर डर के कारण भाग गया, पुलिस ने मर्ज कायम कर मामले की विवेचना कर रही है।

बदहाली | **53 करोड़ की लागत से निर्मित राष्ट्रीय राजमार्ग के परखच्चे उड़े।**

जगह-जगह गड्ढों से आम आदमी परेशान

*** दुर्घटनाओं को लेकर चर्चा में रहा है मार्ग।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

जबलपुर से रायपुर राष्ट्रीय राज्य मार्ग एनएच 30 को लेकर जिले सहित नगर में भारी आक्रोश देखने में आ रहा है 53 करोड़ की लागत से निर्मित राष्ट्रीय राज मार्ग महज कुछ ही वर्षों मार्ग के परखच्चे उड़े, जगह जगह गड्ढों से आम आदमी परेशान है,नगर सहित मंडला से बिछिया से लेकर चिल्फी सीमा तक संपूर्ण सड़क बारिश से उखड़ चुकी है पूरे मार्ग में भारी भरकम गड्ढे हो गए हैं बारिश का पानी भर जाने से दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ गई है।

वही बिछिया नगर के मुख्य मार्ग में पहले ही बरसात में हुए गड्ढे से आम आदमी परेशान है, नगर परिषद क्षेत्र की मुख्य मार्ग एनीकट पुल में बड़े-बड़े गड्ढे हो गये है पानी निकासी के साधन नहीं जिससे आये दिन दुर्घटना हो रही है अभी लगभग दो माह पूर्व इस पुल का मरम्मत कार्य हुआ था और फिर जिसके बाद पुनः जान लेवा गड्ढे हो गये आये दिन दो पहिया चार पहिया वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, आवागमन अधिक होने के कारण सबसे ज्यादा संवेदनशील जगह मानी जाती है यात्रियों के साथ-साथ स्कूली छात्रों-छात्राओं को इस जगह हमेशा भय बना रहता है इस संबंध स्थानीय लोगों का कहना है कि जल्द ही सुधार कार्य कराया जाए नहीं तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

ज्ञात हो कि जब से यह राजमार्ग बना है तब से विवादों में रहा है चाहे वह मार्ग की गुणवत्ता का मामला हो या फिर इस मार्ग में लगातार हो रही दुर्घटनाओ का। मार्ग का निर्माण करते समय जो अनदेखी या लापरवाही की गई उसका खामियाजा आज भी लोग भुगत रहे हैं निर्माण के बाद से लगातार इसकी मरम्मत का काम चलता रहा है उसके बावजूद यह स्थिति है।

इनका कहना है :-

अभी बारिश हुई है बारिश के पूर्व से ही गड्ढे विद्यमान है सैकड़ों लोगों की जान चली गई ओर सरकार का इस ओर ध्यान नहीं हे जिससे लगता है की दुर्घटनाओं के जिम्मेदार प्रशासन के आला अधिकारी है।

-नारायण सिंह पट्टा, विधायक

सड़कों में जो गड्ढे हो रहे हैं कहीं ना कहीं इसके जवाबदार अधिकारी हैं कलेक्टर महोदय ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं शीघ्र मरम्मत का कार्य प्रारंभ होगा।

-डॉ विजय आनंद मरावी,

गांव के अंदर तो है सड़क लेकिन गांव से बाहर जाने का मार्ग नहीं

*** सरपंच ने चुनाव के पूर्व दिया था शपथ पत्र की सड़क बनवाऊंगा लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

सड़क न होने की समस्या, आज भी ग्रामीण भारत में ज्यों की त्यों बनी हुई है। कहने को तो देश में विकास हो रहा है पर शायद पिछड़े गाँव व कस्बे इस विकास की गति में कहीं पीछे रह गए हैं। विकास के नाम पर करोड़ों का बजट और ऊपर से सरकारी वादें बहुत उम्मीदें जगाते हैं कि शायद अब तो ग्रामीण भारत में कुछ बदलाव होगा। शायद अब तो उन्हें सुविधाओं का महसूस करने का मौका मिलेगा। बस सब शायद में ही रह गया। शायद होगा, शायद हो जाता। मण्डला जिले की निवास विधानसभा में जनपद क्षेत्र नारायणगंज के ग्राम पंचायत बनार पोषक ग्राम रानटोला के ग्रामीण जन बेहतर सड़क के लिए परेशान हो रहे हैं गांव तक आने-जाने का मुख्य रास्ता कच्चा और नाले से भरा है। उस रास्ते से गुज़रना भी ग्रामीणों की मज़बूरी है या ये कहें की एकमात्र विकल्प है। ग्रामीणों ने कई बार सड़क न होने को लेकर क्षेत्रीय जन-प्रतिनिधियों को आवेदन निवेदन देकर समस्याओं से अवगत करवाया पर आज तक समस्याओं का निवारण नहीं हो पाया। ग्रामीणो का कहना है कि पुरुष, महिलायें व बच्चे सभी सड़क न होने से विभिन्न प्रकार के समस्याओं से जूझना पड़ता है अभी हाल ही में ग्रामीणो ने कलेक्टर को जनसुनवाई में ज्ञापन देकर अपने समस्याओं से अवगत कराया इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीण लगातार प्रदर्शन कर रहें हैं और अधिकारियों द्वारा लगातार उनकी समस्याओं को नकारा जा रहा है। यहां तक कि सरपंच ने सड़क निर्माण को लेकर चुनाव से पूर्व शपथ पत्र भी ग्राम के लोगों को दिया था कि चुनाव जीतकर सबसे पहले वह ग्राम के बाहर की सड़क का निर्माण करायेगा लेकिन चुनाव जीते काफी समय हो चुका आज भी सड़क नहीं बनी। जनसुनवाई में भी दो वर्षों से आवेदन किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गंदगी के बीच लगे चैम्बरों से हो रहा जल सप्लाई किसी दिन फैल सकती है बीमारी

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को शुद्व पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष करोड़ो रूपया खर्च करते हुए गांव गांव जल सप्लाई व्यवस्था की जा रही है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत कुछ गांवों में देखने मिली रही है जहां पर पंचायत की उदासीनता के चलते ग्रामवासियों के घरों में दूषित पानी पहुंचने की संभावना स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है? इस संबंध में बताया जाता है कि पंचयात द्वारा नल जल योजना के तहत ग्राम के लोगों के घरो तक जल पहुंचाने के लिए लगाई गई लाईन के चैम्बरों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह गंदगी के बीच होने के कारण जब जल सप्लाई की जाती है तो नाली का गंदा पानी रिस्ते हुए अंदर तक पहुचने में कोई कसर नही छोड़ता है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से खुले पड़े हुये चैम्बर आम लोगो की जान के लिए खतरा बनने से भी नही चूक रहे है? क्योंकि मार्ग के किनारे इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों में आये दिन लोग गिरने के कारण घायल होते हुए भी देखे जा रहे है, मगर इस ओर पंचायत द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने से यह अनुमान लगने लगा है कि कही ऐसा तो नही कि पंचायत द्वारा किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा हो? जिसके चलते लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हुए पंचायत द्वारा ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही इस प्रकार से खुले पड़े हुए चैम्बरों के चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।

लटकते बिजली तारों से घटित हो सकती है किसी दिन बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/ सड़ूमर । जहां एक ओर आये दिन देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवों में किसानों सहित अन्य उपभोक्ताओं से समय पर बिजली बिल अदा नही किये जाने के नाम पर जिस प्रकार से बसूली करते हुए उन्हें अपमानित करते हुए जबरन घरों में रखे हुए समान की जप्ती तो की जाती है, मगर वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि जिस तरीके से बिजली विभाग द्वारा बिल बसूरी का तरीका अपनाया जाता है क्या उस तरीके से लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के साथ साथ उन्हें बिजली तारों से होने वाली घटनाओं की क्षति का सहयोग प्राप्त किया जाता है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा गांवो के साथ साथ किसानों के खेतों में बिजली सप्लाई हेतु जो बिजली लाईने खीची गई है उनका वर्षो से सुधार कार्य नही किये जाने तथा उनका रख रखाब नही होने के कारण जहां तारों ने झूला का रूप धारण कर लिया गया है और आये दिन देखा जाता है कि जब हवा चलती है तो यह झूलते हुए तार एक दूसरे से टकरा जाने के कारण चिंगारी छोडते है जिसके चलते जहां गांवों में किसी बड़ी घटना घटित होने की आंशका बनी रहती है? वही दूसरी ओर अनेको बार तो देखा जाता है कि किसानों के खेतो से निकली हुई बिजली लाईनों से निकलने वाली चिंगारी के चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले भी जलकर खाक होने से नही बच पाती है, इस स्थिति में शायद ही बिजली विभाग द्वारा किसी किसान को आज तक कोई सहयोग के रूप में राशि उपलब्ध कराई गई हो? मगर सिर्फ किसान द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली बिलों की बसूली के नाम पर जरूर किसानों को परेशान किया जाता रहता है, इतना ही नही गांवों में निकली हुई बिजली लाईन की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि आये दिन उसमें चिंगारी देखने मिलती, मगर इस ओर न तो बिजली विभाग ध्यान देता है और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि जिसके चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ने के साथ साथ क्षेत्र के किसानों को हर वर्ष भारी क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है।

शिक्षण सत्र शुरू होते ही सड़कों पर फिर दिखाई देने लगी मनचले सड़क छाप मंजनुओं की भीड़

छात्राओं के स्कूल छूटने के समय इन मनचलों द्वारा एक मोटर साईकिल पर दो दो तीन तीन लोग बैठकर इस गति से दौड़ते हुए उनके कर्कस हार्न बजाकर छात्राओं को परेशान करते हुए

पुलिस की दहशत कमजोर होने से छात्रायें दहशत के बीच पहुंच रही स्कूल, एन्टी रोमियों मुहिम शुरू करने की उठाई जा रही मांग...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

महिलाओं व छात्राओं के साथ लगातार घटित हो रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुये प्रदेश शासन द्वारा बीते हुये वर्ष मनमानी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के लिये सख्त आदेश जारी किये गये थें जिसके चलते बीते हुये वर्ष पुलिस प्रशासन द्वारा आवारा गर्दी करने वालों के खिलाफ लगातार मुहिम चलाते हुये सड़क छाप मंजनुओं के खिलाफ शुरू की गई थी। वही इस मुहिम के चलते छात्राओं को काफी हद तक आवारा गर्दी करने वालों से निजात मिल गई थी। मगर बीता हुआ शिक्षा सत्र खत्म होते ही पुलिस की यह मुहिम कहा गायब हो गई जिसके चलते नया शिक्षण सत्र शुरू होते हुये नगर के स्कूल आने जाने वाली सड़को से लेकर छात्राओं के स्कूलों के पास फिर सड़क छाप मंजनुओं के जमावडे नजर आने लगे है। इस स्थिति में चलते स्कूल व कोचिंग आने जाने वाली छात्राओं को दहशत के बीच देखा जाने लगा है...? क्योंकि नगर में आवारा गर्दी करने वालों के हौसले इतने बुलंद देखे जा रहे है कि स्कूली छात्र छात्राओं का सड़को से आना जाना मुश्किल होते हुये जान पड़ रहा है। यह बात सत्य है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा बीते हुये वर्ष सड़क छापा मंजनुओं के खिलाफ अपनी मुहिम चलाई गई थी उससे स्कूलों छात्राओं के साथ साथ उनके अभिभाको द्वारा भी पुलिस के प्रति अपनी खुशी जाहिर की गई थी। मगर वह मुहिम शिक्षा सत्र खत्म होने के बाद बंद हो चुकी है उसकी शुरूआत पुनः नया सत्र शुरू होते ही महसूस किया जाना लागा है। क्योंकि नगर में देखने मिल रहा है कि छात्राओं के स्कूल छूटने व लगने के साथ साथ कोचिंग सेन्टर के पास आवारा गर्दी करने वाले मनचलों के हौसले बुलंद नजर आने लगे है? इस समय नये शिक्षण सत्र को शुरू हुये आधा माह बीतने को है जिसके चलते देखा जा रहा है कि नगर के स्कूलों में अध्ययन करने वाली छात्राओं के लिए सड़को पर घूमने वाले मनचलों द्वारा परेशान करने की घटनाओं से निजात मिलते हुए नजर नही आ रही है? इस बात को लेकर नगर की समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पूर्व में पुलिस प्रशासन से मनचलों की हरकतो पर अंकुश लगाने की गुहार लगाते हुए ज्ञापन भी सौपा जा चुका था जिसके चलते पुलिस द्वारा कार्यवाही तो शुरू की गई थी। वही नगर में आवारा गर्दी करने वालों पर अंकुश लग गया था। मगर इस समय पुलिस थाने में पुलिस कर्मियों के हुये बदलाव तथा अधिकारियों के शांत रहने से जहां आवारा गर्दी करने वालों के दिलों में पुलिस की दहशत समाप्त होते हुये नजर आने लगी है तो दूसरी ओर मनचलों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है। बताया जाता है कि नगर की शासकीय व निजी शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र छात्राएँ बाहरी दुनिया से कट अपने उज्जबल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सिर्फ किताबों में डूबने की तैयारियों में जुटी हुई देखे जा रही है। मगर वही दूसरी ओर छात्राओं के स्कूल आने जाने वाले मार्गो पर जो मंजर देखने मिल रहे है उसे देख अभिभावक जहां चिंता में डूबे हुए जान पड़ रहे है। वही नगर की स्थिति भी इस प्रकार से बिड़ते हुए देखी जा रही जिसके चलते यह जान पड़ रह है कि शायद नगर में आवारा गर्दी करने वालों पर पुलिस का अंकुश तो दूर उनके दिलों में पुलिस के प्रति कोई भय नही रह गया है। इसी परिणाम है कि मनचलों द्वारा शालाओं के खुलने व बंद होने के समय शहर की सड़कों, गलियों के मोड़ों सहित चाय पान के टपरों सहित शिक्षण संस्थाओं के आसपास धडल्ले से जहां मटर गस्ती करते हुये मासूम छात्राओं के साथ छिटाकशी तथा अशोभनीय हरकते करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है...? यह बात अलग है कि इस प्रकार की घटनाओं से अपमानित होने वाली छात्राएं भय के चलते पुलिस थाने में शिकायत करने की हिम्मत नही जुटा पाती है। मगर पुलिस इस ओर गंभीरता के साथ ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि इस प्रकार से स्कूलों व कोचिंग सेन्टरों में आने जाने वाली मासूम छात्राओं के साथ मनचलें छात्राओं के साथ छिटाकशी व छेड़खानी करने से भी नही चूक रहे है जिसके चलते छात्राओं को सरेआम अपमानित होते हुए देखा जा रहा है? इस संबंध में अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त्त पर विभिन्न शालाओं में पढ़नें वाली छात्राओं ने बताया कि सजे सँवरे मोबाईल फोनों पर अश्लील गाने सुनतें हुए ये मनचले स्कूल जा रही या शालाओं से लौट रही छात्राओं पर फिकरे कसने के साथ साथ गलत इशारे बाजी करते है और कभी कभी किसी बहाने छात्राओं को रोककर उनसे प्रणय निवेदन कर मर्यादा को तार तार करने की कोशिश करने से भी बाज नही आते है..? इतना ही अक्सर देखा जाता है कि छात्राओं के स्कूल छूटने के समय इन मनचलों द्वारा एक मोटर साईकिल पर दो दो तीन तीन लोग बैठकर इस गति से दौड़ते हुए उनके कर्कस हार्न बजाकर छात्राओं को परेशान करते हुए आसानी से देखे जा सकते है? इस प्रकार शलीन व्यवहार करने से दूर रहने वाले ये मनचले मौका पाकर फिकरे कस छात्राओं की जलील करने से भी नही चूकते है...? आमजन की माने तो कुछ मनचलों के मूड में रहने और उनकी शक्ल गुंडो से मिलनी जुलती होने की वजह सें मासूम छात्राएं भयभीत होकर व उनकी फिकरे बाजी खामोशी से सहते हुए अपमान का कड़वा घूट पीने मजबूर रहती है। किन्तु अब स्थिति यह है कि मनचलों की चरम पर पहुँच रही कारगुजारियों से छात्राओं का शालाओं, कोचिंग क्लासों में पढ़ने के लिये जाना भी मुश्किल होने लगा है। गौरतलब है कि पुलिस की स्कूलो के समय सही गश्त न होने से नगर की शांति व्यवस्था को ग्रहण लगता हुआ जान पड़ रहा है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस प्रकार से मनचलों की हरकतों से जिस तरह छात्राओं को परेशान होना पड़ रहा है, उसको लेकर अभिभावक और स्थानीयजन भी चिंतित होने लगे है। इस संबंध में हरिभूमि टीम से शोहदों के बढ़ते हौसलों पर चर्चा करतें हुए कहा है कि देखने में आ रहा है कि कतिपय युवा शासकीय चिकित्सालय वाले मार्ग से लेकर पानी टंकी या फिर छात्राओं के निजी व शासकीय स्कूलो को पास सहित अन्य स्थलों पर मड़राते हुए आसानी से देखे जा सकते है। जो शिक्षण संस्थाओं में न पढ़नें के बावजूद भी यह मनचले शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास मॅडरातें हुये छात्राओं को परेशान करने से नही चूक रहे है। इस तरह मनचलों की हरकतों के चलते अभिभावकों सहित नगर के लोगों द्वारा पुलिस प्रशासन से इस प्रकार से आवारा गर्दी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग करने की गुहार लगाई जा रही है।

मूंग खरीदी में हो रही देरी को लेकर किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, रूके हुये खरीदी केन्द्रों पर शुरू हुई मूंग खरीद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

किसानों ने जिस उम्मीद के साथ अपने खेतों में गर्मी सीजन की मूंग फसल तैयार करने को लेकर लागत लगाते हुये जो सपना संजोया गया था वह निश्चित तौर से धूमित होने के साथ साथ मूंग विक्रय करना परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहा है..? क्योंकि शुरूआत तौर से जहां सरकार द्वारा मूंग खरीदी करने से इंकार किये जाने के बाद जब किसानों द्वारा अपना विरोध प्रकट किया तो किसी भी स्थिति में किसानों की समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने के लिये तैयार हुई तो अब मूंग खरीदी केन्द्रो को लेकर किसानों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि शासन की घोषणा के अनुसार किसानों की गर्मी सीजन की मूंग की खरीदी के लिये शासन द्वारा 7 जुलाई की तारीख निर्धारित की गई थी। वही दूसरी ओर शासन की नीति के अनुसार मूंग खरीदी केन्द्र उन बेयर हाऊसों को बनाना था जो पूर्णरूप से शासन के नियमों का पालन कर रहे हो..? मगर देखा गया कि हमारे जिले में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा नियमों का पालन करने वाले बेयर हाऊसों को नजर अंदाज करते हुये इस तरह के वायर हाऊसों को खरीदी केन्द्र बना दिये गये जिनके पास मूंग खरीदी निति के विपरित देखे जा रहे है। इस बात को लेकर उन बेयर हाऊस संचालको द्वारा अधिकारियों पर मनमानी कर आरोप लगाते जब किकायते शुरू की गई तो उन तथा कथित बेयर हाऊस का रोक लगा दी गई। मगर शुरूआती तौर में जिस तरह अधिकारियों द्वारा की गई गफलजी का परिणाम अन्नदाता किसानों को भोगने के लिये मजबूर होना पड़ा। क्योंकि शासन द्वारा मूंग खरीदी के लिये बनाई गई निति के विपरित माने जाने वाले बेयर हाऊसों को खरीदी केन्द्र बनाते हुये पोर्टल पर उन्हें स्लॉट बुक करने की लिंक प्रदान कर दी गई थी जिससे सैकड़ो किसानों द्वारा उन बेयर हाऊसों पर अपनी स्लाट बुक कराते हुये खरीद के लिये निर्धारित की गई तिथि पर अपने ट्रेक्टर ट्राली लेकर मूंग विक्रय करने के लिये पहुंच गये। मगर जब उन केन्द्रो पर खरीदी का कार्य शुरू नही हुआ तो किसान मजबूर होकर कई दिनों तक उनके सामने अपनी मूंग लेकर खड़े हुये विक्रय करने का इंतजार करने के लिये मजबूर होते हुये देखे गये। इस स्थिति में किसानों के बीच अक्रोश का महौल निर्मित होने से नही चूक रहा था। इस प्रकार से कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये निति के विपरित स्वीकृत कराये गये बेयर हाऊसों की मनमानी का परिणाम किसानों को भोगने के लिये मजबूर करने में कोई कसर नही छोड़ी गई। इसी का परिणाम में प्रदेश के अन्य जिलों की अपेक्षा हमारे जिले में मूंग खरीदी का कार्य निर्धारित तिथि से काफी देरी से शुरू हो पाया है। इस तरह परेशान हो रहे किसानों द्वारा गुरूवार को अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देते हुये मांग की गई कि हमारी मूंग का शीघ्रता के साथ खरीदी कराई जावे। इस तरह दिये गये ज्ञापन में उन्होंने उल्लेख किया कि हम बीते हुये कई दिनों से स्लाट बुक कराते हुये बेयर हाऊसों के सामने खड़े हुये है मगर वहां पर हमारी मूंग की तुलाई नही हो रही है। इस तरह ज्ञापन देने के लिये पहुंचे हुये कृषक कपिल काबरा, रघुवर पटैल, शैलेन्द्र कौरव, चौधरी आनंद सिंह कौरव, प्रवीण कौरव, अमित भदौरिया, दुर्गेश लोधी, बडे लाल कौरव, अनुराग कौरव, सजय कौरव, पवन कौरव, अजीत कौरव, राजेश कौरव ने अधिकारियों से कहा कि यदि दो दिन के अंदर उनकी मूंग की तुलाई नही होती है तो वह उग्र आंदोलन के लिये मजबूर हो जावेगे। किसानों का कहना है कि हम यह नही कहते है कि नियमों के विपरित संचालित हो रहे बेयर हाऊसों को खरीदी केन्द्र बनाया जावे। हम चाहते है कि शासन की निति के अनुसार ही खरीदी कार्य किया जावे। मगर जो केन्द्र नियमों के विपरित थें तो उन केन्द्रो पर किसानों की स्लाट बुक क्यों की गई। क्योंकि स्लाट बुक कार्य शुरू का कार्य तो प्रशासन के अधिकारियों के अधीन रहता है। वह लिंक खोलते है तभी स्लाट बुक होती है। निश्चित अधिकारियों द्वारा जान बूझकर इस तरह के केन्द्रो की स्लाट लिंक प्रदान करते हुये किसानों को मुश्बित में खड़ा किया गया है। इस तरह किसानों में काफी विरोध दिखाई देने के बीच यह खबर मिली है कि गुरूवार के दोपहर बाद क्षेत्र में कुछ बंद की स्थिति में चल रहे खरीदी केन्द्रो पर किसानों की मूंग खरीदी का कार्य शुरू हो गया है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि संदिग्ध बन चुके इन खरीदी केन्द्रो पर कही ऐसा तो नही कोई गफलबाजी का खेल खेलने की कोई बडी कार्य योजना बनाई गई है..? क्योंकि सरकार की मूंग खरीदी निति होने के विपरित होने के बाद इन तथा कतिथ केन्द्रो को खरीदी केन्द्र बना दिया जाना और जब सच्चाई उजागर हुई तो उन पर रोक लगा देना। वही दूसरी ओर इस तरह अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ शिकायत होने के बाद इन तथा कथित केन्द्रो के संचालकों में बौखलाहट की स्थिति निर्मित होने से जहां अनेक संदेह पैदा होने से नही चूक पा रहे है..? क्योंकि शासन मूंग खरीदी निति के विपरित होने के बाद भी खरीदी केन्द्रो की सूची में इन केन्द्रो का नाम आ जाना इस बात का संकेत देने से नही चूक रहा है कि निश्चित तौर से बडी चतुरंगी सेना किसानों की आड़ में कोई बड़ी कार्य योजना बनाने का मन बना चुकी है...? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर प्रदेश के अन्य जिलों के आलवा मूंग खरीदी को लेकर जो स्थिति गाडरवारा क्षेत्र में देखने मिली है उसके चलते संपूर्ण प्रदेश में गाडरवारा की मूंग खरीदी राहर घोटलों से भी बड़े स्तर पर चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाई है...?

नशे से दूरी है ज़रूरी अभियानः पुलिस ने व्यापक स्तर पर आयोजित किया जन-जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब किसी के परिवार में एक व्यक्ति नशे की लत का शिकार हो जाता है तो पूरा परिवार बिखरने से नही बच पाता है..। क्योंकि नशा इस प्रकार की महामारी है कि जीवित रहते आदमी को मरे के समान कर देता है। जो व्यक्ति नशे की लत का शिकार होता है उसका जीवन तो बर्बाद होता ही है। परिवार के अन्य सदस्याओं को भी परेशानियों का समाना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। एक बार यदि कोई व्यक्ति नशे की लत का आदि हो जाता है तो वह अपनी लत पूरी करने के लिये कोई भी अप्रिय कदम उठाने में पीछे नही रहता है। जब उसके पास मादक सामग्री खरीदने के लिये पैसा नही होते है तो वह अपनी लत पूरी करने के लिये घर की जरूरी सामग्री बेचने में तक पीछे नही रहता है। वही अन्य प्रकार की अपराधिक घटनाओं को जन्म देते हुये अपनी लत को पूरा करने की सोच बनाने से नही चूकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये शासन प्रशासन द्वारा आये दिन नशामुक्ति के आयोजन करते हुये लोगों को नशे के प्रति जागरूक करने के लिये अभियान चलाये जाते है। इस समय भी हमारे क्षेत्र की पुलिस द्वारा प्रदेश पुलिस मुख्यालय से जारी हुये आदेश के परिपालन में जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका के मार्ग दर्शन व उप पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के दिशा निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा लोगों को नशा से दूर रहने के लिये "नशे से दूरी है जरूरी" विशेष अभियान के तहत 15 दिवसीय वृहद जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत क्षेत्र की शैक्षणिक संस्थानों, साप्ताहिक बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली बच्चों, शिक्षकों, युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है तथा नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले थाना गाडरवारा द्वारा बीटीआई स्कूल, ग्राम बोहानी, ग्राम बसुरिया तथा समीपस्थ चीचली थाना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम सूखाखेरी शासकीय स्कूल में थाना प्रभारी संग्राम सिंह राजपूत द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी प्रकार से समीपस्थ थाना पलोहां के अंतर्गत शासकीय स्कूल ग्राम भटेरा एवं पुलिस थाना सांईखेडा अंतर्गत थाना प्रभारी प्रकाश पाठक द्वारा सी.एम राईस स्कूल सांईखेडा तथा थाना डोंगरगांव अंतर्गत शासकीय स्कूल ग्राम कल्याणपुर में स्कूली बच्चों एवं क्षेत्रवासियों को वीडियों फिल्म, जागरूकता रैली के माध्यम से नशा मुक्ति हेतु जागरूक करने एवं नशा न करने, नशा मुक्त समाज की दिशा में कार्य करने के लिये कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा छात्र छात्राओं को नशे से दूर रहने व लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिये शपथ दिलाई गई।

खेल स्पर्धाओं के आयोजन की तैयारियों को लेकर आयोजित हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

विकास खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता कैलेंडर निर्धारण हेतु बीते हुये दिवस शिक्षा विभाग के आदेश पर नगर के बीटीआई स्कूल में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में साईखेड़ा विकास खंड के शासकीय एवं अशासकीय खेल शिक्षको सहित सभी प्राचार्य को आमंत्रित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विकास खंड शिक्षा अधिकारी सुश्री सीमा डोंगरे , प्राचार्य पी. इन्दुरख्या, प्राचार्य श्रीमती सुनीता पटेल ,प्राचार्य लेखा कौरव ,प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, प्राचार्य एस के मिश्रा के आलवा बीआरसी संदीप स्थापक विकास खंड खेल प्रभारी व वरिष्ठ खेल शिक्षक सत्य प्रकाश ढिमोले, मुकेश पटेल, अजय सोनी, विक्रम शर्मा के निर्देशन में खेल कैलेंडर बनाते हुये रूप रेखा तैयार की गई।

लाईट के लिये खेत से बिजली लाईन निकालने की बात पर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, पुलिस ने दोनो पक्षों की शिकायत पर दर्ज किया काउन्टर मामला

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग छोटी छोटी बातों को लेकर मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम ढिगसरा में देखने मिली जहां पर घर की लाईट जलाने के लिये खेत से डोरी निकलने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट होने के चलते पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम ढिगसरा निवासी मोहन पिता राईसे कुशवाहा उम्र 45 वर्ष द्वारा अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरा लड़का प्रशांत बिजली लाईन का सुधार कर रहा था उसी दौरान पड़ौसी ब्रजेश कुशवाहा और उसका पिता राजा कुशवाहा आये और बीले की मेरे खेत से बिजली लाईन की डोरी नही निकाल सकते हो। इसी बात को लेकर पिता पुत्र द्वारा प्रशांत को गंदी गंदी गालिया देना शुरू कर दिया गया। प्रशांत द्वारा गाली देने से मना किये जाने पर ब्रजेश द्वारा हाथ रखी हुई लाठी से मारपीट करना शुरू कर दिया गया। जब ब्रजेश चिल्लाया तो आवाज सुनकर जब प्रार्थी की पत्नी सहित दो लड़िकयों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव करने का प्रयास किया तो ब्रजेश के भतीजे शिव कुशवाहा द्वारा उनके साथ भी लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व शिवम द्वारा प्रार्थी के साथ लाठी मारकर चोट पहुंचाई। इस तरह तरह छोटी सी बात को लेकर हुई मारपीट के चलते पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी राजा पिता खेमचंद कुशवाहा, ब्रजेश पिता राजा कुशवाहा, शिवम पिता मनोहर कुशवाहा के खिलाफ अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इसी प्रकार से दूसरे पक्ष की ओर से राजाराम पिता खेमचंद कुशवाहा उम्र 60 साल द्वारा भी अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मोहन पिता राईसे कुशवाहा तथा प्रशांत पिता मोहन कुशवाहा द्वारा प्रार्थी सहित को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई जिसके चलते पुलिस द्वारा घटना को लेकर दोनों पक्षों के खिलाफ काउन्टर मामला दर्ज करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

भाजपा मंडल अमरपुर के महामंत्री नियुक्त हुए रितेश उसराठे

अमरपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल अमरपुर में संगठन विस्तार की प्रक्रिया के अंतर्गत श्री रितेश उसराठे को मंडल का नया महामंत्री नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा उनके सक्रिय योगदान, संगठन के प्रति निष्ठा एवं कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। रितेश उसराठे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री आकाश नामदेव, किसान मोर्चा अध्यक्ष, युवा मोर्चा के पदाधिकारी, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता गणों ने रितेश उसराठे को शुभकामनाएं दीं एवं विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पार्टी और अधिक मजबूत होगी।रितेश उसराठे ने भी विश्वास दिलाया कि वे पार्टी की नीति, सिद्धांतों एवं संगठन के आदेशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे।

गाड़ी चढा कर मारने की कोशिश करने के आरोपी की जमानत खारिज

जैतहरी। लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि मामला वेंकटनग चौकी थाना जैतहरी क्षेत्रान्तर्गत का है, जहाँ छोटेलाल पनिका के घर पर उसकी लड़की बारात छत्तीसगढ. के सालबहरा से आई थी और बारात में काफी लोग थे, इसी बारात में पुष्पेन्द्र सिंह पटाखे फोड़ रहा था, इसी दरमियान पटाखे की चिंगारी पास में खडी इनोवा गाडी मे पडने से गाडी मालिक पहले तो लोगों से झूमा-झटकी किया और इसके बाद गाडी में वापस बैठकर लोगों को धक्का देते हुए रिवर्स गियर में डाला और इसके बाद वापस आगे की तरफ खडे लोगों पर अंधाधुंध तरीके से बढ़ाकर, लोगों को मारने की कोशिश करने लगा। इस प्रकार उसने दुर्गेश, मनोहर, विकास, पुष्पेन्द्र, उमेद सिंह को जान से मारने की नीयत से गाडी चढा दी, जिससे उक्त सभी लोगों को काफी चोटें आई। उक्त लोगों में से विकास की हालत काफी गम्भीर बताई गई है और वह अभी भी उपचाररत है। घटना की रिपोर्ट छत्रपाल द्वारा किये जाने पर 10.06.25 को थाना जैतहरी में भारतीय न्याय संहित 2023 की धारा 109 (1) के तहत अपराध क्रमांक 252/2025 पंजीबद्ध किया जाकर मामले को विवेचना में लिया और आरोपी बरकत अली निवासी छत्तीसगढ़ को हिरासत में लिया गया। मामले में आरोपी बरकत अली की ओर से माननीय सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल के न्यायालय में जमानत पर छोड़े जाने हेतु याचिका दायर की गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश, माननीय माया विश्वलाल ने सुनवाई की और शासन की और पैरवी कर रहे लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा द्वारा रखे गए तर्कों और बहस को देखते हुए साथ मामले की गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

जिले के वन क्षेत्र में फिर पहुंचे चार हाथी, वन विभाग कर रहा निगरानी

अनूपपु। कई दिनों तक अनूपपुर जिले की सीमा से डिंडोरी, उमरिया एवं शहडोल जिले में विचरण कर रहे चार हाथियों का समूह गुरुवार की सुबह फिर से एक बार अनूपपुर जिले के अहिरगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत पूर्व एवं पश्चिम कठौतियां बीट के जंगल में पहुंचकर दिन में विश्राम कर रहे हैं यह हाथी बुधवार के दिन एवं रात को वन परिक्षेत्र बुढार के हरदी इलाके में विचरण कर रहा था हाथियों के एक बार फिर से जिले के वन क्षेत्र में प्रवेश करने पर वन विभाग के द्वारा निगरानी करते हुए आसपास के ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क रहने की सलाह दी है। विदित है कि चार हाथियों का समूह 14 जून को एक बार फिर से छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के इलाके में प्रवेश कर जैतहरी, अनूपपुर एवं पुष्पराजगढ़ राजेंद्रग्राम के इलाके में निरंतर विचरण करता हुआ 2 जुलाई को डिंडौरी जिले में प्रवेश कर एक सप्ताह तक विचरण कर फिर से अनूपपुर जिले के अहिरगवा वन परिक्षेत्र में दो दिन ठहरने बाद उमरिया जिले के घुनघुटी इलाके में चला गया रहा चारों हाथी 13 जुलाई को शहडोल जिले के वन तथा राजस्व क्षेत्र में विचरण करता हुआ।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्क्रीनिंग के अंतर्गत सीवी कॉलेज में उमंग हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम आयोजित

शासकीय पीएम श्री चंद्रविजय महाविद्यालय में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमेश मरावी एवं जिला नोडल अधिकारी (आरकेएसके) व डीएचओ - 2 डॉ. जयश्री मरावी के मार्गदर्शन में निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्क्रीनिंग जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

हरिभूमि न्यूज, डिंडौरी ।

मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का उद्घाटन महाविद्याल प्राचार्य डॉ. तुलसी करचाम के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. ईश्वर चंद्र परणा के द्वारा किया गया। प्रो. ईश्वर चंद्र परणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि परोपकार ही परम धर्म है एवं ईश्वर उपासना है। परोपकार करने से हमें आंतरिक खुशी की प्राप्ति होती है। कार्यशाला में जिला मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. एके वर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण एवं समस्याएं के बारे में सभी को अवगत कराया।

उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के उपचार के बारे में सभी विद्यार्थियों को बताया।

कार्यशाला में सभी का विद्यार्थियों के स्क्रीनिंग किए गए वहीं, महाविद्यालय के उमंग हेल्थ एंड वेलनेस नोडल अधिकारी डॉ. अमीर खान ने बताया कि स्वास्थ्य के प्रति हर व्यक्ति को जागरूक रहना चाहिए। क्योंकि, पूरे जीवन काल में व्यक्ति कभी न कभी बीमार होता है, कही न कही हम सबको स्वास्थ्य सेवाओ की आवश्यकता होती है। इसलिए स्वास्थ्य से जुड़ी इस कार्यशाला की महत्वता की समझिए और कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यार्थी अपना योगदान दे।

जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक ओमप्रकाश उरैती ने उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम की गतिविधियों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने उमंग युवा शक्ति मिशन कार्यक्रम - 2024 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

शासकीय चंद्र विजय महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में परामर्शदाता नविता पटेल ने उमंग स्वास्थ्य क्लीनिक के अंतर्गत प्रदाय किए जाने वाले 14 प्रकार सेवाएं की विस्तारपूर्वक जानकारी विद्यार्थियों से साझा की।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य अंतर्गत निर्मित मनहित एप्प की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 तथा उमंग हेल्प लाइन नंबर 14425 एवं जस्ट आस्क चैट बोट के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। कार्यशाला में आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषिकेश सिंह एवं सीएचओ संजय उईके के द्वारा छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

महाविद्यालय में प्रवेश अब 16 जुलाई से 31 जुलाई तक सीधे प्रवेश ले सकेंगे छात्र, छात्राएं

हरिभूमि न्यूज, अमरपुर।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर द्वारा मध्य प्रदेश उच्चशिक्षा विभाग द्वारा CLC अतिरिक्त चरण 16 जुलाई से 31 जुलाई तक जारी आदेश के परिपालन में महाविद्यालय में प्रवेश के लिए 12वीं उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को प्रवेश के लिए अतिरिक्त चरण के तहत महाविद्यालय में सीधे प्रवेश ले सकते हैं। छात्र छात्राओं को अमरपुर महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह और प्रवेश प्रभारी डॉ. सुनील कुमार काकोड़िया ने अवगत कराया गया कि महाविद्यालय से प्रवेश फॉर्म प्राप्त कर उसे भरकर महाविद्यालय में उसी दिन जमा करना होगा। जिसमें प्रतिदिन 3 बजे तक रजिस्ट्रेशन और प्रतिदिन शाम 5 बजे लिस्ट महाविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी और छात्र छात्राओं को 24 घंटे के अंदर प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। जिसके प्रवेश मान्य होगा। यह प्रवेश प्रक्रिया 16 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रतिदिन चलेगी प्रवेश लेने वाले छात्र महाविद्यालय आकर सीधे प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित हुई सामान्य सभा की बैठक

डिंडौरी ।

16 जुलाई 2025 को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान अध्यक्ष जिला पंचायत रुद्रेश परस्ते के साथ विधायक शहपुरा ओम प्रकाश धुर्वे एवं जिला पंचायत सदस्य, अध्यक्ष जनपद पंचायत उपस्थित रहे। साथ ही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर सर्व विभाग प्रमुखों ने अपनी अपनी जानकारी सभा के समक्ष प्रस्तुत की।

बैठक में वन विभाग अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित स्वीकृतियों के प्रकरण की समीक्षा की गई, जिसमें वन विभाग अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमानुसार शीघ्र स्वीकृतियां जारी कर आगामी बैठक में अवगत कराएं। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की भर्ती समयावधि में करते हुए अनंतिम सूची जारी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मातृ वंदना योजना और लाड़ली बहना योजना अंतर्गत लंबित प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश सम्बंधित विभाग को दिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत गारंटी अवधि में शामिल सडकों में आवश्यक सुधार करने के पीएमजेएसवाय को निर्देश दिए गये। लोकनिर्माण विभाग (पीआईयू) अंतर्गत पूर्ण भवनों का लोकार्पण किये जाने हेतु तिथि निर्धारित करने एवं प्रगतिरत भवनों को नियामानुसार समयावधि में पूर्ण कराने के साथ ही जल संसाधन विभाग अंतर्गत क्षेत्रों में निर्माणाधीन नवीन सड़क कार्यों की आवश्यक स्वीकृति एक सप्ताह के अन्दर प्राप्त कर कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त बैंक मैनेजरों को सीमा क्षेत्र अंतर्गत शिविर आयोजित कर सभी खाता धारकों को अटल पेंशन योजना और अटल जीवन ज्योति योजना से अवगत कराकर जोड़ने के निर्देश दिए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत खेल सामग्री समितियों को प्रतिनिधियों के उपस्थिति में वितरण कराने के निर्देश दिए गये। उद्यान विभाग अंतर्गत रोपणियों में विशेषतः फलदार पौधों का ग्राफ्टिंग कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों को भी विभाग अंतर्गत संचालित कार्यों को समयावधि में नियमानुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। सामान्य सभा की बैठक में समस्त विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शा.उ.मा. विद्यालय चांदरानी को यथावत रखने की माँग को लेकर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

डिंडौरी न्यूज ।

सामनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चांद रानी के ग्रामीणों ने संस्था प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते हुए निवेदन किया है कि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चांदरानी को यथावत संचालित किया जाए और इसे सी.एम. राइज स्कूल में मर्ज न किया जाए।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि विद्यालय वर्ष 1997 से संचालित हो रहा है, विद्यालय में लगभग 200 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। यह विद्यालय क्षेत्र के बीचों बीच स्थित है, जिससे आसपास के गाँवों के बच्चे आसानी से पहुँचकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि हाल ही में सी.एम. राइज विद्यालय का शुभारंभ ग्राम कंचनपुर में हुआ है, जो चांद रानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। यदि विद्यालय का विलीनीकरण किया गया तो दूरस्थ गाँवों के गरीब परिवारों के बच्चों को शिक्षा से वंचित होना पड़ेगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि विद्यालय को यथावत नहीं रखा गया तो समस्त ग्रामीणजन एवं छात्र-पालक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

अगस्त के अंतिम सप्ताह में निकाला विज्ञापन और विज्ञापन निकालने के पहले से बना दिया मानदेय

जन शिक्षा केन्द्र बछरगांव अंतर्गत जलदा बौना स्कूल का मामला

डिंडोरी।

डिंडोरी जिले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही, मनमानी और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा किसी से छुपी नहीं है चाहे शिक्षकों का संलगनीकरण हो या चाहे फिर अधिकारियों द्वारा अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने का मामला हो। ऐसी तरह की एक बडी लापरवाही डिंडोरी जिले के बजाग विकास खंड के जन शिक्षा केन्द्र बछरगांव के जलदा बौना हाई स्कूल का प्रकाश में आया है जिसमें विद्यालय और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के वित्तीय वर्ष 2024-25 को 31 अगस्त 2024 को अतिथि भर्ती की विज्ञापन दिया गया। वहीं भर्ती विज्ञापन के पहले से ही अतिथियों की सैलिरी पूरे अगस्त माह की प्रदाय की गई। महत्वपूर्ण यह है कि वह सब चीजें उच्चाधिकारियों की संलिप्तता के चलते शासन को चूना लगाया गया है। आपको बताते चलें कि इस तरह की लापरवाही विकास खंड बजाग के विभिन्न विद्यालयों और अनेक संकुल में अतिथि शिक्षक की भर्ती और मानदेय में लापरवाही की गई जिसकी जांच की जाए तो उच्चाधिकारियों के अनेक कारनामे उजागर हो सकते है।

38वीं तीन-दिवसीय क्षेत्र स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता आयोजित

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

माँ नर्मदा के पावन उद्गम स्थल पर स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में 38वीं तीन-दिवसीय क्षेत्रीय स्तरीय एथलेटिक प्रतियोगिता का शुभारंभ 17 जुलाई को हर्षोल्लास के साथ हुआ। यह आयोजन विद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य आशीष शुक्ल की अध्यक्षता व मार्गदर्शन तथा जिला क्रीड़ा अधिकारियों के कुशल नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे मुख्य अतिथि प्राचार्य, जिला क्रीड़ा अधिकारीगण, मार्गदर्शकगण तथा शिक्षकगणों ने संपन्न किया। इस अवसर पर संगीत शिक्षक शेख वाहिद के निर्देशन में विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई, जिसने सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा अनूपपुर से आये विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं बैज लगाकर अभिनंदन किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने खिलाड़ियों को न सिर्फ प्रतिस्पर्धा के उद्देश्य से, बल्कि खेल को जीवन का अनिवार्य अंग मानकर सदैव खेलते रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि यह मानसिक व सामाजिक विकास का भी माध्यम है। खेल प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन प्राचार्य महोदय द्वारा मशाल प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में कुल पाँच क्लस्टरों से कुल 326 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 160 बालक एवं 166 बालिकाएँ सम्मिलित रहीं।

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

अंडर-17 बालिका वर्ग (3000 मीटर दौड़) में प्रथम स्थानः अदिति साहू (बिलासपुर क्लस्टर), द्वितीय स्थानः असीमी ककोडिया (भोपाल क्लस्टर) तथा तृतीय स्थानः अवनी तिवारी (उज्जैन क्लस्टर) ने हासिल किया। आयोजन की सफलता में शारीरिक शिक्षक कमलेश देवकटे एवं मिश्रा का योगदान सराहनीय रहा। इस अवसर पर अनेक गणमान्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से डी.एस. सेंगर, महेश्वर द्विवेदी, आर.के. झा, वाहिद शेख, आशीष कुमार, विनोद कुमार चौहान, प्रवीण कुमार, अजय कुमार, प्रमोद कुमार, श्रीमती जयश्री पेन्डरे, रमेश कुमार, सचिन जाटव, अतुल सिंह चौहान, सदानंद तिवारी, श्रीमती मुक्ता शरीन, श्रीमती मनोरमा कौशल, श्रीमती सीमा मिश्रा, सुश्री अंबिका राय, सुश्री भाग्यश्री साहू, सुश्री वैष्णवी श्रीवास्तव, श्रीमती जसप्रीत भाटिया, एन.के. साहू, भानु प्रताप तथा स्थानीय पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' एवं धनंजय तिवारी सम्मिलित रहे। वरिष्ठ शिक्षक डी.एस. सेंगर ने आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, अधिकारियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन का उत्तरदायित्व आर.के. झा, सचिन जाटव एवं सुश्री अंबिका राय ने सफलता पूर्वक निभाया।

विश्व न्याय दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं श्रीमती माया विश्वलाल प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार 17 जुलाई को ''विश्व न्याय दिवस'' के अवसर पर संस्कार विधि महाविद्यालय, अनूपपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विनोद कुमार वर्मा न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, आयुष सोनी असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसेल, नवोद चपरा संस्थापक संस्कार विधि महाविद्यालय, डॉ0 संजीव पाण्डेय प्राचार्य संस्कार विधि महाविद्यालय, अन्य प्रध्यापकगण, छात्र-छात्राएं एवं नितेश केशरवानी उपस्थित रहे। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार वर्मा ने ''विश्व न्याय दिवस'' के विषय में बताया कि विश्व न्याय दिवस प्रत्येक वर्ष 17 जुलाई को मनाया जाता है क्योंकि 17 जुलाई, 1998 में रोम संविधि अपनाने की वर्षगांठ है। इस संधि की सहायता से ही अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय (ICC) की स्थापना हुई थी। ICC विश्व का पहला स्थायी अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय है, जो नरसंहार, मानवता के विरूद्ध अपराध, युद्ध अपराध और आक्रामकता जैसे गंभीर और संगीन अपराधों के आरोपित लोगों की जांच और उन पर मुकदमा चलाती है। जो अंतिम उपाय का न्यायालय है। इसी क्रम में ब्रजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के विरूद्ध वैश्विक स्तर पर न्याय सुनिश्चित करना, युद्ध पीड़ितों, विस्थापितों और अत्याचार सहने वालों को न्याय दिलाना, मानवाधिकारों की रक्षा और विधिक संस्थानों की भूमिका को सुदृढ़ करना तथा दोषियों की जवाबदेही तय कर शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है। जागरूकता कार्यक्रम का संचालन आयुष सोनी असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसेल द्वारा किया गया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शुक्रवार 18 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के ग्राम कठोतिया के पास हुई सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भूपेन्द्र पिता पूरन साहू उम्र 45 वर्ष निवासी कठोतिया को गांव के पास ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर जहां पर उपचार के दौरान निधन हो गया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला चिकित्सालय में उपचार हेतु लायी गई दो महिलाओं द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुरसुत बाई पति राजकुमार नौरिया उम्र 40 वर्ष निवासी सिगरामपुर थाना स्टेशनगंज एवं दूसरी घटना में गनेशी बाई पति प्रदीप गौड़ उम्र 38 वर्ष निवासी आलौद थाना मुंगवानी दोनो महिलाओं द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिनका उपचार जिला चिकित्सालय में जारी है।

अलग - अलग स्थानों पर दो लोगों को सर्प ने काटा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार को अलग - अलग स्थानों पर एक महिला एवं एक पुरूष को सर्प ने काट लिया। पुलिस ने बताया कि मुन्नी उर्फ होमबती बाई रामसिंह भारिया उम्र 60 वर्ष निवासी ग्वारी थाना करेली को जंगल मे सर्प ने काट लिया वही दूसरी घटना में रितुराज सिंह पिता फूल सिंह लोधी उम्र 40 वर्ष निवासी करपगांव को घर पर कार्य करते समय सर्प ने काट लिया। दोनो को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

जिले में 621.6 मिमी वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 17 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 621.6 मिमी अर्थात 24.47 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 17 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 1.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील गोटेगांव में 2 मिमी और तेंदूखेड़ा में 7 मिमी वर्षा आंकी गई है। 17 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 645 मिमी, गाडरवारा में 697, गोटेगांव में 578 मिमी, करेली में 562 मिमी और तेंदूखेड़ा में 626 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 207.20 मिमी अर्थात 8.16 इंच वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील नरसिंहपुर में 179 मिमी, गाडरवारा में 256 मिमी, गोटेगांव में 260 मिमी, करेली में 132 और तेन्दूखेड़ा में 209 मिमी वर्षा हुई थी।

मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण आज

हरिभूमि न्यूज - गोटेगांव । मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन द्वारा पर्यावरण को हरा भरा बनाए रखने के उद्देश्य से वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

सह दस्तक अभियान की कार्यशाला को संबोधित किया

मौसमी बीमारियां न फैले, स्वास्थ्य विभाग रखे निगरानी: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरुवार कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से हम किसी भी व्यक्ति का जीवन बचा सकते हैं, इसलिए स्वास्थ्य विभाग का अमला इस अभियान को मिशन के रूप में लेकर बेहतर सेवाएं दें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का अमला लोगों के लिए सेवाभाव का काम करता है। किसी भी व्यक्ति को समय पर उपचार देकर उसका जीवन बचाने का काम किया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती पटले गुरुवार को सावित्री सिग्नेचर होटल में आयोजित स्टाप डायरिया सह दस्तक अभियान के प्रथम चरण को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. एसएस ठाकुर, जिला क्षय अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जीपी भनारिया, डॉ. आर.के. मेहरा, डॉ. ए.आर. मरावी, डॉ. एस.एस. धुर्वे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती भारती चौरसिया, डीसीएम मुकेश रघुवंशी, संभागीय समन्वयक दुर्गा प्रसाद कटरे, गुंजन शर्मा सहित एएनएम, एलएचव्ही और सीएचओ मौजूद थे।

उपचार एवं उचित सलाह के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग किसी भी व्यक्ति की बीमारी या उसकी बीमारियों की संभावनाओं को देखकर उसका स्वास्थ्य जांच कराने का काम करती है। इसी उद्देश्य को लेकर विभिन्न अभियान चलाये जाते हैं, जिसके तहत स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का प्रथम चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर तक चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लोगों को सही समय पर उपचार और स्वास्थ्य के संबंध में सही सलाह दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का अमला अपने इस अभियान को सफल करने के लिए मैदानी स्तर पर लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाए। महिलाओं, बच्चों, युवाओं, वृद्ध सहित समस्त लोगों की स्क्रीनिंग करें, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियों के पूर्व ही पहचान कर उनका उचित उपचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अमले का दायित्व है कि उनके क्षेत्र में कोई भी बीमारी या मौसमी बीमारी न फैले, जिससे बीमारियों के संक्रमण की संभावनाओं को समय पर रोका जा सके। बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को सही समय पर जानकारी देना यह महत्वपूर्ण कार्य है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग का अमला स्वास्थ्य सेवाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाए, उसका इलाज करे और उसको उचित सलाह दे।

स्वास्थ्यकर्मी दस्तक अभियान को बनाए सफल

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि लोगों को प्राथमिक स्तर पर ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए शासन द्वारा बीमारी और बीमारियों की संभावनाओं को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जाता है। हमें इस अभियान से लोगों को जोड़कर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं का महत्व बताते हुए सफल बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को रोजाना काम करना होगा, जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने इस अवसर पर शिक्षा का महत्व, मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के बारे में बताया। वर्तमान में लोगों के जीवन स्तर और दिनचर्या में बदलाव आया है, इसलिए स्वास्थ्य सेवाएं देना बहुत जरूरी है। उन्होंने इस अवसर पर सामाजिक दिनचर्या में वैज्ञानिक परिवर्तन के संबंध में भी जानकारी दी।

मरीज व परिजनों से करें बेहतर व्यवहार

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि लोगों की स्क्रीनिंग गुणवत्तापूर्वक करें। अपने- अपने क्षेत्रों में मौसमी बीमारियां या अन्य बीमारियों के संबंध में कड़ी निगरानी रखें, जिससे इन बीमारियों को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि अगर किसी क्षेत्र में डायरिया फैल चुका है, तो उनके कारणों व बचाव के संबंध में लोगों को विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के दौरान लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण गुणवत्तापूर्ण करें, जिससे पीड़ित व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधा का लाभ पहुंच सके। उन्होंने इस दौरान गर्भवती महिलाओं का हाईरिस्क, हीमोग्लोबिन सहित अन्य स्वास्थ्य जांच करने के निर्देश दिये, जिससे उनका उचित समय पर उपचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों के उपचार के दौरान उनकी संख्या, क्वालिटी और समय का बहुत महत्व होता है। इसमें रिपोर्टिंग सही समय पर करना, सही समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना और जानकारी भेजना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का अमला मरीजों से बेहतर व्यवहार करे, यह स्वास्थ्य विभाग के अमले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

जनसुनवाई सुनी लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरूवार को मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगो ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 96 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनों की जनसमस्या हेतु प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुन कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक

मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयो के साथ गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश जिला पंचायत सदस्य सीताराम नामदेव सहित सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

भमका में हुआ पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले में पौधरोपण का क्रम लगातार जारी है। मप्र जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड चीचली के ग्राम भमका में जन अभियान की विभिन्न समितियों एवं नागरिकों ने फलदार एवं अन्य प्रजापति के 60 पौधे रोपे। पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जन अभियान परिषद की विभिन्न संस्थाओं द्वारा जिले में लगातार पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। जिला समन्वयक मप्र जन अभियान परिषद जयनारायण शर्मा ने बताया कि ग्राम भमका में नवांकुर संस्था उकासघाट के अंतर्गत ग्राम

विकास प्रस्फुटन समिति भमका द्वारा यह पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था जनशक्ति सेवा समिति उकासघाट के अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भमका की अध्यक्ष श्रीमती नीरू राजपूत, हरदौल समिति जन सेवा समिति बसुरिया के रामेश्वर वर्मा और अन्य नागरिक व महिलाओं ने संयुक्त रूप से पौधरोपण किया।

सहकारिता कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरुवार को सहकारिता कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि शासन के द्वारा कर्मचारियों की वेतन वृद्धि की गयी उसका भुगतान आज दिनांक तक नही हो सका। 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों का जिला बैंको में आज दिनांक तक नहीं हुआ तत्काल चयन करवाया जाय। शासन व्दारा 3000 रूपए प्रतिमाह विक्रेताओं को भुगतान की बात कही गई थी जो आज दिनांक तक नहीं किया गया अक्टूबर 2023 से प्रति विक्रेता 18 माह का 54000 रूपया किया जाना है जिसका भुगतान नही किया गया। उक्त मांगो का निवारण ना होने पर कर्मचारियों द्वारा उग्र आंदोलन किया जावेगा। उक्त मौके पर बड़ी संख्या मे सहकारिता कर्मचारी मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिले मे कार्यरत अतिथि शिक्षकों द्वारा महासंघ के बैनर तले शिक्षकों ने विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर मनोज चौरसिया को सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि शिक्षा विभाग की ओर से अतिथि शिक्षकों पर जबरन ई-अटेंडेंस लागू करने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि न तो सभी नियमित शिक्षक इसका पालन कर रहे हैं और न ही इस व्यवस्था को सभी शिक्षकों का समर्थन प्राप्त है। ई-अटेंडेंस लागू करने से पूर्व अतिथि शिक्षकों को ऐच्छिक, आकस्मिक, अर्ध कार्य दिवस, मेडिकल, प्रसूति और विशेष अवकाश की सुविधा प्रदान की जाए। कम मानदेय में एंड्रॉइड फोन या टैबलेट खरीद पाना संभव नहीं है, अतः शासन द्वारा उपयुक्त मोबाइल उपकरण दिए जाएं साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क और तकनीकी समस्याओं को भी गंभीरता से लिया जाए। स्थायित्व की मांग 12 माह से अधिक सेवाकाल पूरा कर चुके शिक्षकों को अनुभव के आधार पर स्थायित्व प्रदान किया जाए। रिक्त पदों पर पूर्व में कार्यरत फॉलन आउट अतिथि शिक्षकों को वरीयता दी जाए और तकनीकी कारणों से बाहर

हुए शिक्षकों को पुनः अवसर मिले। पंजीयन पोर्टल दोबारा खोलने की मांगरू पोर्टल पुनः खोला जाए ताकि पूर्व से कार्यरत योग्य शिक्षक फिर से पंजीयन कर सकें। हर वर्ष के अनुभव के लिए स्कोर कार्ड में 10 अतिरिक्त अंक जोड़े जाएं, ताकि सेवा को उचित मान्यता मिल सके। ज्ञापन की एक प्रति प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को भी भेजी गई है। इस दौरान संघ के मापन प्रभारी एवं प्रांत स्तरीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अतिथि शिक्षकों ने चेताया कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो वे प्रदेशव्यापी आंदोलन की राह पकड़ेंगे।

विधायक श्री पटेल ने किया मूंग खरीदी का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस विधायक तेंदूखेड़ा विश्वनाथ सिंह पटेल ने बुधवार को जिले के अमलतास वेयर हाउस रमपुरा एवं भूमि वेयर हाउस डोभी में मूंग खरीदी का औचक निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिये। रिकार्ड की शुद्धता, तौल की पारदर्शिता और अनाज की सुरक्षा शासन की प्राथमिकता में है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों को विश्वास दिलाया कि उनकी समस्याओं को दूर करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि खरीदी केन्द्रों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इसके लिए वे स्वयं लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री पटेल ने कहा कि शासन की योजनाएं जमीन पर उतरे, जिससे पात्र हितग्राही को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। किसानों की मेहनत का अन्न जब भंडारण के लिए वेयर हाउस में आता है, तब हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि उस अन्न की सुरक्षा, गुणवत्ता और पारदर्शिता में कोई कमी न रहे। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी उपज का उचित संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण तब ही संभव है, जब हमारा देश का किसान खुशहाल होगा।

सरकारी कॉलेज में नहीं बढ़ सके विषय

तेंदूखेड़ा। एक दशक पूर्व शुरू हुये शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों को कला संकाय के अलावा दूसरे विषय नहीं खुलने से जहां छात्र छात्राएं परेशान हो रहीं हैं वहीं बाहर जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है। महाविद्यालय में वर्तमान में 500 छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनमें प्रथम वर्ष में 104 द्वितीय वर्ष में 102और तृतीय वर्ष में 55छात्र छात्राएं अध्ययन किया करते हैं। अभी नये एडमीशन में लगभग 150 छात्र छात्राएं और आ जायेंगे।लेकिन यहां पर विडम्बना यह बनीं हुई है कि जिस दिन से महाविद्यालय खुला है उसी दिन से केवल कला संकाय ही संचालित है वाकी अन्य संकाय खोलने के लिए अनेकों बार मांग करने के बाबजूद भी विषय नहीं बढ़ पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।विषय ना बढ़ पाने के कारण छात्रों को बाहर दूसरे सरकारी कालेजों में अध्ययन के लिए आना जाना करना पड़ता है या फिर प्राइवेट कालेजों में दाखिला लेकर मंहगी फीस के साथ अध्यापन करना पड़ता है।विषय बढ़ाये जाने को लेकर क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने निर्वाचित होने के तत्काल बाद महाविद्यालय में विषय बढ़ाये जाने के लिए पत्र लिखा था और उच्च शिक्षा मंत्री के तेंदूखेड़ा अल्प प्रवास के दौरान यहां की वस्तु स्थिति से अवगत कराया गया था लेकिन एक लंबे समय के अंतराल के बाद भी यहां पर विषय ना बढ़ पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।

नहीं है पर्याप्त भवन

महाविद्यालय नगर के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग के किनारे पहाड़ी तरफ स्थित है वहीं इसकी सुरक्षा को लेकर बाउंड्री वॉल हेतु अनेकों बार उच्च शिक्षा विभाग के लिए कागजी घोड़े दौड़ाये गये परिणाम स्वरूप भवन और बाउंड्री वॉल के लिए कुछ राशि स्वीकृत हुई है लेकिन आगे की कार्यवाही भविष्य के गर्त में है।साथ ही साथ महाविद्यालय के लिए पूर्व में ही आवश्यकता अनुसार पर्याप्त भूमी भी आवंटित की गई है। उसमें भी एक विसंगति यह सामने आई आ रही है कि उक्त भूमि का राजस्व रिकार्ड कोई दूसरे विभाग के नाम से देखने को मिल रहा है। शुरुआती दौर में बजट समस्या के चलते केवल कुछ कमरे ही बना दिये गये थे लेकिन विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए महाविद्यालय में जगह की बेहद संकीर्णता बनीं हुई है। स्थिति यह बनीं हुई है कि कालेज की दालान में भी छात्रों को अध्यापन करना पड़ता है। चूंकि दो अन्य और विषय बढ़ने के बाद क्या स्थिति होगी यह सोच का विषय है।

नियमित प्राध्यापक प्राचार्य भी नहीं

वर्तमान में इस महाविद्यालय में नियमित प्राचार्य की व्यवस्था नहीं है और ना ही नियमित प्राध्यापक अतिथी विद्वानों और प्रभार के माध्यम से कालेज का संचालन हो रहा है। महाविद्यालय के सभी अधिकार लीड कालेज नरसिंहपुर को हैं। छात्रों की संख्या स्थिति को देखते हुए शीघ्र ही यहां पर पर्याप्त विषय और भवन बाउंड्री वॉल की व्यवस्था किये जाने की मांग पालक वर्ग ने की है। फिलहाल यहां पर क्रीड़ा अधिकारी महाविद्यालय को संचालित कर रहे हैं।